

www.naidunia.com

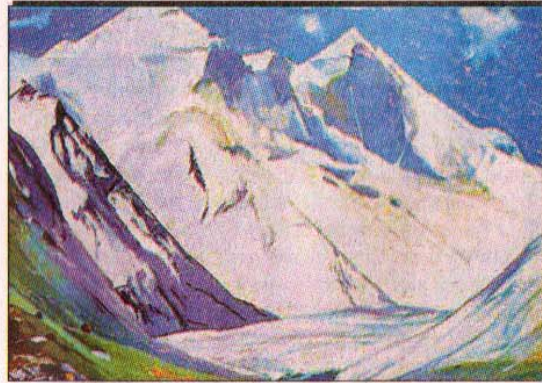
नईदुनिया

सर्वश्रेष्ठ हिन्दी दैनिक

मंगलवार, 27 जुलाई 2010

# मेद्रो रंगा

हम भारतीयों के लिए गंगा आस्था और पवित्रता का प्रतीक है जबकि विदेशियों को ये प्रेरणा देनेवाली आकर्षक जलधारा है। हालांकि गंगा शुरू से ही लोगों को प्रेरणा देने का काम करती आई है। तभी तो अब तक कई सारे कलाकारों और लेखकों ने अपने-अपने तरीके से इसे देखकर, महसूस कर अनेक रचनाएं की हैं। वैसे तो यह एक नदी है लेकिन धर्म में आस्था रखने वालों के लिए बाकायदा ये एक पूरा आध्यात्म है। जीवनदायिनी गंगा के बारे में जितना भी बखान किया जाए कम है। गंगा की सुंदरता और पवित्रता पर भारतीय तो विश्वास करते ही हैं, पर विदेशी इसके रूप और सौंदर्य के कायल हैं। तभी तो ऑस्ट्रेलियन कलाकार



केविन पर्श ने गंगा पर चित्रों की एक शानदार श्रृंखला बनाई है।

गंगा से प्रभावित पर्श ने कैनबस पर रंगों और अपने बेहतरीन कला के माध्यम से गंगा के जीवंत चित्र उकेरे हैं। गंगा 21

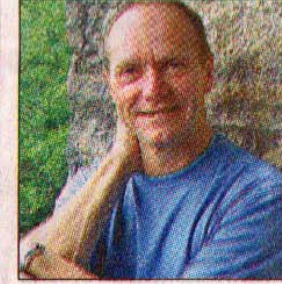
## रंगों के साथ गंगा की यात्रा



### प्रदर्शनी

नामक इस श्रृंखला को बनाने के लिए उन्होंने 2006 और 2007 में गोमुख (हरिद्वार) से गंगासागर तक की यात्रा की। पैदल यात्रा के साथ नाव पर भी भ्रमण किया। गंगा को नजदीक से देखने, जानने और समझने के बाद उन्होंने इस बेहतरीन श्रृंखला की रचना की। पर्श कहते हैं कि मुझे शुरू से ही पानी आकर्षित करता रहा है और गंगा अपने आप में एक रहस्य है। इसी वजह से मैंने गंगा पर श्रृंखला बनाई। उन्होंने बताया कि चित्र बनाने के दौरान की गई यात्रा में मैंने गंगा की विविधताओं को नजदीक से देखा और पाया कि गंगा सिर्फ एक नदी या दृश्य मात्र नहीं है बल्कि अपने आप में ये एक पूरा आध्यात्म है।

पर्श की यह प्रदर्शनी इन दिनों



कलाकार केविन पर्श

राजधानी स्थित आजाद भवन में चल रही है। इनके चित्र इतने खूबसूरत और जीवंत हैं कि उसे देखकर ऐसा लगता है

मानो आप गंगा किनारे हों और आपके सामने से गंगा बह रही हो। गोमुख पर बने एक चित्र में गोमुख की बही खूबसूरती दिखती है जो किसी को भी अभिभूत कर सकती है। गंगासागर वाले चित्र को देखकर शायद ही कोई तारीफ करने से अपने आप को रोक पाए। प्रदर्शनी देख रहे बुजुर्ग कमलकांत शर्मा ने बताया कि मैंने अब तक गंगा पर बने बहुत सारे चित्रों को देखा है लेकिन इतने शानदार चित्र आज से पहले कभी नहीं देखे। प्रदर्शनी और कला की खासियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदर्शनी देखने के लिए हर दिन ढेर सारे दर्शक आ रहे हैं।

संवाददाता

